JS-840

January 2022
M. Ed. IV Semester Examination

CONTEMPORARY ISSUES IN INDIAN EDUCATION
PAPER I

[Max. Marks 80
[Min. Marks 28

विशेष निर्देश : प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 से 300 शब्द है।
Word limit for answer of each question is 250 to 300 words.

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Answer all five questions. All questions carry equal marks.

1. भारत में व्यवसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकास की चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the challenges of Vocational Education and Entrepreneurship Development in India.

अथवा OR

निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
(अ) निःशुल्क शिक्षा (ब) शिक्षा की समानता एवं गुणवत्ता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on the following :
(a) Free Education (b) Equality and Quality Education.

2. लोकतांत्रिक देश के लिए सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के लिए शिक्षा किस प्रकार की होनी चाहिए ? विवेचना कीजिए।
Which type of education should be required in a democratic country for universal ?

अथवा OR

पर्यावरण और मानवीय सरोकार के लिए विद्यालयीन शिक्षा द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की विवेचना कीजिए।
Discuss the efforts made by school education for environmental and human concerns.

3. अध्यापक शिक्षा के प्रमुख लक्षण क्या हैं ? वर्तमान परिप्रेक्ष में शिक्षा कार्यक्रम कहां तक अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल रहा है ? स्पष्ट कीजिए।
What are the main characteristics of teacher education ? How far education program success to achieve the goals in the present context ? Clarify.

अथवा OR

निम्नांकित बिन्दुओं की विवेचना कीजिए :
(अ) शाला त्याग की समस्या और उसके समाधान
(ब) विद्यालय प्रबन्ध समिति के कार्य।
Briefly describe the following topics :
(a) The problem of school dropouts and it's solution
(b) Function of school management committee.

4. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्णन करते हुये सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकार सम्भव है ? प्रकाश डालिए।
Describe the continuous and comprehensive evaluation process and how the all round development of the student is possible through continuous and comprehensive evaluation ? High light.

अथवा OR

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : Write short notes on the following :
(a) NCERT (b) U. G. C.

5. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 की प्रमुख अनुशंसाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
Briefly describe the main recommendations of the National Curriculum Framework, 2005.

अथवा OR

भारतीय संदर्भ में शिक्षक शिक्षा के सार्वभौमीकरण, उदारीकरण और निजीकरण की सम्भावनाओं पर विवेचना कीजिए।
Discuss the possibilities of universalisation, liberalisation and privatisation of teacher education in Indian context.

JS-840

January 2022
M. Ed. IV Semester Examination

CONTEMPORARY ISSUES IN INDIAN EDUCATION
PAPER I

[Max. Marks 80
[Min. Marks 28

विशेष निर्देश : प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 से 300 शब्द है।
Word limit for answer of each question is 250 to 300 words.

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Answer all five questions. All questions carry equal marks.

1. भारत में व्यवसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकास की चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the challenges of Vocational Education and Entrepreneurship Development in India.

अथवा OR

निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
(अ) निःशुल्क शिक्षा (ब) शिक्षा की समानता एवं गुणवत्ता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on the following :
(a) Free Education (b) Equality and Quality Education.

2. लोकतांत्रिक देश के लिए सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के लिए शिक्षा किस प्रकार की होनी चाहिए ? विवेचना कीजिए।
Which type of education should be required in a democratic country for universal ?

अथवा OR

पर्यावरण और मानवीय सरोकार के लिए विद्यालयीन शिक्षा द्वारा किये जाने वाले प्रयासों की विवेचना कीजिए।
Discuss the efforts made by school education for environmental and human concerns.

3. अध्यापक शिक्षा के प्रमुख लक्षण क्या हैं ? वर्तमान परिप्रेक्ष में शिक्षा कार्यक्रम कहां तक अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल रहा है ? स्पष्ट कीजिए।
What are the main characteristics of teacher education ? How far education program success to achieve the goals in the present context ? Clarify.

अथवा OR

निम्नांकित बिन्दुओं की विवेचना कीजिए :
(अ) शाला त्याग की समस्या और उसके समाधान
(ब) विद्यालय प्रबन्ध समिति के कार्य।
Briefly describe the following topics :
(a) The problem of school dropouts and it's solution
(b) Function of school management committee.

4. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्णन करते हुये सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकार सम्भव है ? प्रकाश डालिए।
Describe the continuous and comprehensive evaluation process and how the all round development of the student is possible through continuous and comprehensive evaluation ? High light.

अथवा OR

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : Write short notes on the following :
(a) NCERT (b) U. G. C.

5. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 की प्रमुख अनुशंसाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
Briefly describe the main recommendations of the National Curriculum Framework, 2005.

अथवा OR

भारतीय संदर्भ में शिक्षक शिक्षा के सार्वभौमीकरण, उदारीकरण और निजीकरण की सम्भावनाओं पर विवेचना कीजिए।
Discuss the possibilities of universalisation, liberalisation and privatisation of teacher education in Indian context.

100

Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya Borawan

Class B.Ed st Sem

Reading and Reflecting on Text

Practical

प्र.01 पठन से क्या आशय है पठन का अर्थ परिभाषा लिखिए।

What is meant by reading write the meaning of reading

प्र.02 चित्र एवं उदहारणों द्वारा पठन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Describe the types of reading with diagrams and examples

प्र.03 सामुहिक पठन क्या है कक्षा में सामुहिक पठन विधि की उपयोगिता को समझाइये ।

What is group reading explain the utility of group reading method in the class

प्र.04 स्केफोल्डिंग क्या है इसके व्यूह रचना को स्पष्ट कीजिए।

What is scaffolding explain its strategy

प्र.05 पठन में कहानी की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए। चित्र सहित किन्ही 3 कहानियों को लिखिए। (2 हिंदी 1 अंग्रेजी)

Explain the utility of story in reading write any three stories with picture (hindi and English)

प्र.06. कविता से क्या आशय है पठन में कविता का महत्व स्पष्ट करते हुये किन्हीं 5 कविताओं को लिखिए। (3 हिंदी 2 अंग्रेजी)

What is ment by poetry write any five poems explain the importance of poetry in reading 3 hindi 2 english

प्र.08 शिक्षा में पहेलियों एवं चुटकलों का क्या महत्व है। 10–10 पहेलियाँ एवं चुटकले लिखिए।

What is the importance of riddles and jokes in education write ten riddles and jokes

प्र.09 विद्यार्थी जीवन में खेलों का क्या महत्व है। निम्नलिखित में से किन्हीं 2 खेलों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

What is the importance of sports in student life describe in detail any two of the following games

01. क्रिकेट	02. टेनिस	03. कबड्डी	04.फुटबाल	05.शतरंज
Cricket	Tennis	Kabaddi	football	chess

प्र.10 निम्नलिखित को उदाहरण सहित समझाइए–

explain the following with examples

01 फील्ड नोट (स्वयं का अनुभव)

Field

02 विश्व कोश एवं शब्द कोश

Encyclopedia and dictionary

03 वाचन व्यूह रचना

Reading formation and array

04 आत्मकथा

autobiography

05 पाठों के प्रकार

Types of texts

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya BORAWAN (M.P.)

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya Borawan

Class B.Ed 1 St Sem.

Language across Curriculum

Practical

प्र.01 निबंध का अर्थ व परिभाषा लिखिए एवं निबंध के प्रकारों का वर्णन कीजिए व किसी एक प्रकार पर निबंध लिखिए।

write the meaning and definition of essay and describe the types of essay write on essay on any one of them.

प्र.02 समाचार पत्र (न्यूज पेपर) में प्रकाशन हेतु शैक्षिक लेख लिखिए।

write on educational article for publication in the news paper

प्र.03 किसी एक कहानी का सारांश लिखिए।

write a summary of any one story

प्र.04 संवाद लेखन क्या है संवाद लेखन मे संवादों की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए।

what is dialogue writing what should be the characteristics of dialogues in dialogue writing

प्र.05 भाषायी कौशल कौन–कौन से है इसका विकास कैसे होता है।

what are linguistic skills how does it develop

प्र.06. श्रवण कौशल का क्या आशय है इसके विकास कि विधियों का वर्णन कीजिए

what is meant by listening skills describe the method of its development

प्र.07 वाक् कौशल के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।

mention the main elements of speaking skills

प्र.10 निम्नलिखित को विस्तारपूर्वक समझाइए–

Explain the following in details

01 बालकों में भाषा कौशल का विकास

Development of language skills in children

02 लेखन

Writing

03 लेखन कौशल की रणनीतियाँ

Strategy of writing skills

04 कथा साहित्य लेखन

Fiction writing

05 जीवनी लेखन

Biography writing

06 यात्रावृत्तांत

travelogue

07 पत्र लेखन

Letter writing

08 रिर्पोट लेखन

Report writing

09 संस्मरण लेखन

Memory writing

10 रेखाचित्र लेखन

Line drawing writing

11 समीक्षा

review

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

M.Ed I Semester Examination

March 2021

Advance Level Guidance and Counseling

[Max. Marks – 80]
[Min. Marks –28]

नोटः– सभी पांच प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। सभी प्रश्नों पर अंक समान है।

answer all five question all question carry equal marks

1. विशिष्ट शिक्षा की संकल्पना स्पष्ट कीजिए विशिष्ट शिक्षा की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए?
   Clarify the concept of Special education. Explain assumptions of special education?
2. दृष्टिबाधिता से क्या तात्पर्य है दृष्टिबाधिता के कारणों का वर्णन कीजिए?
   what do you mean by visual impairment describe causes of visual impairment.
3. श्रवणबाधित बालकों का वर्गीकरण लिखिए श्रवणबाधित बालकों की विशेषता की व्याख्या कीजिए?
   Write classification of hearing impaired children explain the characteristics of hearing impaired children.
4. अस्थिबाधिता से क्या समझते है अस्थिबाधित बालकों हेतु नियोजन शैक्षिक कार्यक्रमों का वर्णन कीजिए?
   What do you mean by orthopedic impairment and describe the programmes planned for orthopedically impaired children
5- बाल अपराध से आप क्या समझते है बाल अपराध के कारणो की व्याख्या करें।
   what do you mean by juvenile Delinquency explain the causes of Juvenile Delinquency

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

D. A. V. P.

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE 419308

1. Candidate's Name MANISHA JAPTHAPI
2. Father's Name RAJENDRA JAPTHAPI
3. Centre for Theory Examination स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां, (खरगोन) म. प्र.
4. Roll No. 31 5100 31
5. Subject Microteaching
6. Date of Practical Examination 13/03/2022
7. Batch No.
8. Section, if any
9. Day and Time Sunday 10:30 AM

(1) External Examiner K.T.
(Signature in full)

(2) Internal Examiner
(Signature in full)

Dr. Surendra Kumar Tiwari
Principal
Sw. Gulab Ba Yadav Smriti
Shiksha Mahavidyalaya, Borawan (M.P.)

सहा. प्राध्यापक
स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा
महाविद्यालय, बोरावां, (खरगोन) म. प्र.

Introduction Skill

Introduction –

Introduction skill is also called as "Skill of Set Induction". It is related to beginning of teaching a class. It is one of the very important skills because if the beginning of class is effective then the outcome of teaching – learning process can be estimated very clearly.

Objectives –

1. To prepare students mentally for learning something new.
2. To focus the attention of students towards the content.
3. To know about previous knowledge of students.
4. To create curiosity for learning new topic / subject
5. To establish a link between what they know and what they are going to learn.

Importance –

1. To make student aware about the topic ~~the~~ they are going to learn

and understand.

2. It motivate the student to understand new topics & concepts in a better way.

3. Effective introduction of the topic ensures maximum learning out come from the class.

Components -

1. Testing previous knowledge of students.
2. Sequential Questioning
3. Using appropriate devices / technique.
4. Arouse interest and motivation
5. ~~Topic declaration with the help of students.~~
6. Time management
6. Relationship between contents statements and objectives.

Observation Table –

	Components of Skill	Rating	Tally.
1	Testing previous knowledge of students.	1 2 3 4 5	
2.	Sequential questioning	1 2 3 4 5	
3.	Using appropriate devices	1 2 3 4 5	
4.	Arouse interest and motivation	1 2 3 4 5	
5.	Relationship between content statements and objectives	1 2 3 4 5	
6.	Time management	1 2 3 4 5	

D. A. V. P

419442

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

1. Candidate's Name ..... NANDINI YADAV .....
2. Father's Name ..... TARACHAND YADAV .....
3. Centre for Theory Examination ..... GULABBAI YADAV SMRITI SHIKSHA MAHAVIDHYALAYA, BORAWAN.

स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां, (खरगोन) म.प्र.

4. Roll No. ..... 00003151O034 .....
5. Subject ..... MICRO TEACHING .....
6. Date of Practical Examination ..... 13/03/2022 .....
7. Batch No. .....
8. Section, if any .....
9. Day and Time .....

(1) External Examiner (Signature in full) ..... K. Pan .....

(2) Internal Examiner (Signature in full) .....

सहा. प्राध्यापक
स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा
महाविद्यालय, बोरावां, (खरगोन) म. प्र.

व्याख्या कौशल (Skill of Explaining)

व्याख्या कौशल की परिभाषा : शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में बहुत से तथ्य, नियम या सिद्धांत ऐसे होते हैं, जिन्हे अच्छी तरह से समझाने और विद्यार्थियों के लिए सरल बनाने हेतु उसकी व्याख्या करना आवश्यक हो जाता हैं। इस दृष्टि से व्याख्या कौशल का अर्जन एक अध्यापक के लिए अति आवश्यक हैं। अध्यापक व्याख्या करते समय आवश्यक शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं।

व्याख्या कौशल के उद्देश्य :
1) बच्चों में विषय-वस्तु के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
2) बच्चों का ध्यान केन्द्रित करना।
3) छात्रों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
4) तथ्यों व सिद्धांतो के प्रति समझ विकसित करना।

व्याख्या कौशल के महत्व : व्याख्या कौशल का प्रयोग सभी विषयों में अनिवार्य माना गया हैं। इसके प्रयोग के बिना विषय-वस्तु का प्रस्तुतीकरण तथा विषय-वस्तु के प्रति छात्रों की समझ विकसित कर पाना संभव नहीं होता।

व्याख्या कौशल की सावधानियाँ :
1) व्याख्यान की भाषा सरल होनी चाहिए।
2) आवाज स्पष्ट होना चाहिए।
3) छात्रों से जाँच प्रश्न पुछे जाने चाहिए।

व्याख्यान कौशल के दोष :
1) इस विधि में छात्र निष्क्रिय रहते हैं।
2) छात्रों को खोज के अवसर नहीं मिलते।
3) छात्रों में नये कौशल का विकास नहीं होता है।
4) यह विधि विज्ञान जैसे विषयों हेतु उपयुक्त नहीं है।

सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना क्र० – 1

छात्राध्यापिका का नाम – नंदिनी यादव
कक्षा – 9 वी
विषय – सामाजिक विज्ञान
प्रकरण – सूर्य ग्रहण
उद्देश्य – व्याख्यान कौशल का विकास
समय – 5-7 मिनट
कौशल का नाम – व्याख्यान कौशल
दिनांक – 13/03/2022

क्र०	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार	घटक
1.	व्याख्या : सूर्य सौरमण्डल के केन्द्र में स्थित एक तारा है, जिसके चारों ओर पृथ्वी और सौर-	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	प्रारम्भिक कथन में स्पष्टता।

क्र०	छात्राध्यापिका व्यवहार	छात्र व्यवहार	घटक
6.	व्याख्या : जब पूरा सूर्य कुछ क्षणों के लिए छिप जाता है, तो उसे पूर्ण सूर्यग्रहण कहते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	अन्तरक्रिया परिवर्तन
प्रश्न 4.	सूर्य ग्रहण की घटना कब होती है? बहुत अच्छे।	अमावस्या	भाषा सरल एवं सुबोध
प्रश्न 5.	सूर्य व पृथ्वी के मध्य में चन्द्रमा आ जाने की घटना क्या कहलाती है?	सूर्य ग्रहण	शिक्षण बिन्दुओं को दोहराना
प्रश्न 6.	ग्रहण से आप क्या समझते हैं?	किसी खगोलिय पिण्ड का पूर्ण या आंशिक रूप से किसी अन्य पिण्ड द्वारा ढक जाने की	शिक्षण बिन्दुओं को दोहराना

"जिस प्रकार केवल प्रज्वलित दीपक ही दुसरे दीपक को जला सकता है, उसी प्रकार शिक्षा केवल वही शिक्षक दे सकता है जो स्वयं शिक्षा ग्रहण करने की प्रक्रिया में लगा हुआ हो जो शिक्षक यह समझने लगे कि वह सार ज्ञान अर्जित कर चुका है, वास्तविक शिक्षक नहीं रह जाता है. वह छात्रों को केवल सूचनाओं के बोझ से ही दबाता है, उनको वास्तविक शिक्षा जो ज्ञानार्जन की प्रेरणा है, नहीं दे पाता. ऐसी शिक्षा मृत शिक्षा है जो मानव मस्तिष्क को तेज नहीं कर सकती ।"

रविन्द्रनाथ टेगोर

गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां

सम्बद्धता: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

श्रद्धा-सेवा-विश्वास

बी.एड.

सत्र 2021 - 2022

आलोचनात्मक अवलोकन पुस्तिका
CRITCISM-OBSERVATION

छात्र अध्यापक/अध्यापिका का नाम : रेणुका D/o रमेशचन्द्र आर्य

कक्षा B.ed IIInd sem विषय इतिहास

अनुशिक्षकीय समूह क्र. 08 (Group-C) सत्र 2021 - 22

अनुशिक्षक श्री/श्रीमती मंजुलता गुप्ता

आलोचना का उद्देश्य

अध्यापन एक कला है। शिक्षक यदि अपने अध्यापन में केवल हाथ, जिव्हा आदि अवयवों का उपयोग करता है तो वह निरा श्रमिका है। यदि वह पढ़ाते समय हाथ और मस्तिष्क दोनों का प्रयोग कर रहा है तो वह एक यांत्रिक शिल्पकार भी है। किन्तु यदि उसके अध्यापन में हाथ और मस्तिष्क और हृदय तीनों का प्रयोग हो रहा हो तो यह अध्यापन सचमुच कलाकार है – मानव निर्माता है।

प्रत्येक पाठ का अध्यापन इसी दृष्टिकोण से करिये। बालकों के हृदय तक पहुंचकर, अपनी कला को सजीव बनाने में अध्यापन कहां तक सफल हुआ और अध्यापन में प्राण-प्रतिष्ठा कर शिक्षक को कहां तक प्राणवान बनाया जा सका, यही सब आपको देखना है।

आगे दिये हुए निर्देश पढ़िये। प्रत्येक प्रमुख शीर्षक के अन्तर्गत संकेतात्मक प्रश्न दिये गये है। वे पाठ के विशिष्ट अंको के अध्ययन में सहायक होंगे प्रत्येक शीर्षक के अन्तर्गत तद् विषयक अपने विचार एवं निर्णय स्पष्ट लिखिए।

गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय, बोरावां

पाठ अवलोकन

आलोचना हेतु निर्देश

1. प्रस्तावना :-

1. पाठ की प्रस्तावना का क्या रूप रहा है ?
2. प्रस्तावना लम्बी थी या संक्षिप्त या सीधी विषय से सम्बन्धित थी या गोलमोल थी, स्पष्ट थी या अस्पष्ट ?

2. पाठ के उद्देश्य :-

1. पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या था ?
2. क्या शिक्षिकों ने कक्षा में उसका निरूपण स्पष्ट किया ?
3. पाठ के अध्यापन के दौरान शिक्षक ने उस पर कहाँ तक दृष्टि रखी ?
4. शिक्षक/शिक्षिका ने उसे प्राप्त करने में कहाँ तक सफलता प्राप्त की ?

3. प्रस्तुतीकरण :-

पाठ्य-वस्तु (विषय वस्तु क्या थी)

1. क्या वह उपयुक्त थी ?
2. क्या स्तर के अनुकूल थी ?
3. पर्याप्त थी ?
4. तर्कसंगत मनोवैज्ञानिक एवं क्रम की दृष्टि से सुसम्बद्ध थी ?

पाठक का विकास एवं पद्धति

1. छात्रों की विचार-शक्ति, कल्पना शक्ति, सौन्दर्य भावना, व्यावहारिक कौशल, नैतिक प्रवृत्ति आदि किसी भी क्षमता के जागरण एवं विकास के शिक्षक कहा तक सफल रहा ?
2. क्या शिक्षक/शिक्षिका के द्वारा आवश्यक प्रयोग प्रत्येक कार्य किये गये ? क्या उसने आवश्यक उपकरणों का प्रयोग किया था ?
3. छात्रों में रुचि उत्पन्न करने एवं उसे बनाये रखने के लिए किन साधनों को प्रयोग में लाया गया एवं कहाँ तक सफलता प्राप्त हुई ?
4. पाठ के विकास में शिक्षक ने छात्रों का कितना और कैसा सहयोग प्राप्त किया ? उसे कहाँ तक सफलता मिली ?
6. क्या दृश्य साधनों का उपयोग किया गया ? वे किस प्रकार के थे ? उनमें से कितने शिक्षक/शिक्षिका के द्वारा स्वयं बनाये गये थे क्या ये उपयुक्त थे और विचारपूर्वक बनाये गये थे ?
6. क्या मौलिक उदाहरणों का प्रयोग किया गया ? (प्रसंगोचित उदाहरण, कहानियाँ समानान्तर उद्धरण या दृष्टांत आदि)
7. क्या शिक्षक/शिक्षिका के द्वारा विभिन्न ग्रन्थों एवं विषयों से सह-सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास किया गया ?

4. प्रयोग:-

1. शिक्षक/शिक्षिका ने प्रयोग हेतु उदाहरण देकर या अभ्यासार्थ जाँच प्रश्न देकर अथवा उदाहरण देकर, प्रश्न पूछकर कार्य सम्पन्न किया ?
2. छात्रों का भाषागत, बौद्धिक, सौन्दर्यात्मक, नैतिक आदि में किस पक्ष की पुष्टि या विकास में प्रयोग द्वारा सहायता मिली ?
3. प्रयोग का कौन सा अंग या अंश गृह-कार्य के रूप में पूर्ति हेतु दिया गया ? वह कहाँ तक उचित था ?

5. श्याम-पट कार्य -

1. क्या श्याम-पट का उपयोग समय से किया गया ?
2. क्या उसका पर्याप्त उपयोग हुआ ?
3. क्या वह कार्य स्वच्छ, व्यवस्थित सुपाठ्य एवं सानुपात था ?
4. श्याम-पट कार्य में छात्र-छात्राओं का सहयोग किया गया अथवा शिक्षक/शिक्षिका ने स्वयं ही कार्य किया ?
5. छात्र/छात्राओं ने कोई लिखित कार्य किया ? यदि हाँ तो क्या लिखित कार्य का उचित निरीक्षण किया गया ?

6. सहायक सामग्री :-

क्या सहायक सामग्री के रूप में प्रयुक्त चित्र, मानचित्र,रेखाचित्र आदि की आकृतियाँ हस्तकृत या छपी हुई उपयुक्त स्तर की तथा पर्याप्त थी ?

7. प्रश्न :-

1. क्या दृश्यों का निर्माण सौद्देश्य एवं सुसंगत था ?
2. क्या प्रश्नों के उत्तरों को सोचने के लिए छात्रों को पर्याप्त समय दिया गया ?
3. प्रश्नों के सम वितरण पर कहाँ तक ध्यान दिया गया ?
4. क्या छात्र/छात्राओं ने भी कोई प्रश्न पूछे ? उनका कहाँ तक समाधान किया गया ?
5. शिक्षक/शिक्षिका के प्रति छात्रों की प्रतिक्रिया किस प्रकार थी ?
6. प्रश्न विचारोत्पादक थे या नहीं ? सीधे थे या घुमाकर पूछे गये थे ? उत्तर की ओर संकेत करने वाले थे या तर्क पर आधारित थे ?

8. शिक्षक/शिक्षिका :-

1. उनके व्यक्तित्व व आदर्शों का वर्णन
2. उनकी वर्णन शैली एवं उच्चारण
3. भाषा एवं विषय पर अधिकार एवं अभिव्यक्ति
4. क्या उनका छात्रों के साथ व्यवहार सहयोग उत्पन्न करने वाला,प्रोत्साहन देने वाला,सहानुभूति पूर्ण था ?

9. विशेष विवरण एवं सुझाव :-

1. क्या कक्षा कार्य समय पर प्रारंभ और समाप्त हुआ ?
2. क्या शिक्षक एवं शिक्षार्थियों की क्रियाओं के मध्य संतुलन रहा ?
3. पाठ का श्रेष्ठ अंक कौन सा रहा ?
4. आपकी सम्मति में पाठ किसी सीमा तक सफल रहा ?
5. पाठ में सुधार हेतु सुझाव ?

पाठ योजना - 01

पाठ का अवलोकन

दिनांक ____________

छात्राध्यापक का नाम रेणुका आर्य अनुक्रमांक 3151000८

(जिसका पाठ अवलोकन किया गया)

विद्यालय पी.पी.एस. बोरावां कक्षा 6 टी वर्ग बी

विषय सा. विज्ञान प्रकरण चन्द्रगुप्त मौर्य एवं सम्राट अशोक

1. प्रस्तावना -(Introduction) अच्छी थी

2. उद्देश्य कथन -(Statement of Aim) उत्तम

3. प्रस्तुतीकरण -(Presentation) उपयुक्त थी

i) पाठ्य वस्तु -(Matter of Lesson) अच्छी थी

ii) शिक्षण विधि-(Method of Teaching) श्रेष्ठ थी

iii) श्याम पट कार्य -(Black Board work) साफ था, स्पष्ट था।

iv) सहायक सामग्री -(Teaching Aids) चॉक, डस्टर, मानचित्र, राष्ट्रीय सम्प्र, मुद्दे का चित्र

v) प्रश्नोत्तर-(Question and Answer) ठीक थे

vi) अध्यापक का व्यक्तित्व -(Personality of the teacher) श्रेष्ठ

4. पुनरावृत्ति -(Recapitulation) अच्छी

5. प्रयोग-(Experiment) / आकलन(Assessment)- अच्छे थे

6. टिप्पणी तथा सुझाव-(Suggestions)

1) शिक्षक और छात्र के मध्य अच्छे सम्बन्ध थे

Renuka
छात्राध्यापक

पर्यवेक्षक

पाठ योजना -2

पाठ का अवलोकन

दिनांक ____________

छात्राध्यापक का नाम रेणुका आर्य अनुक्रमांक 3JS10008

(जिसका पाठ अवलोकन किया गया)

विद्यालय पी.पी.एस बोरावां कक्षा 6 वीं वर्ग बी

विषय सा. विज्ञान प्रकरण ग्राम पंचायत

1. प्रस्तावना -(Introduction) संक्षिप्त

2. उद्देश्य कथन -(Statement of Aim) स्पष्ट

3. प्रस्तुतीकरण -(Presentation) उपयुक्त

i) पाठ्य वस्तु -(Matter of Lesson) अच्छा

ii) शिक्षण विधि-(Method of Teaching) श्रेष्ठ

iii) श्याम पट कार्य -(Black Board work) स्पष्ट

iv) सहायक सामग्री –(Teaching Aids) चॉक, डस्टर

v) प्रश्नोत्तर–(Question and Answer) अच्छा

vi) अध्यापक का व्यक्तित्व –(Personality of the teacher) ठीक

4. पुनरावृत्ति –(Recapitulation) अच्छी

5. प्रयोग–(Experiment) /आकलन(Assessment)- उपयुक्त

6. टिप्पणी तथा सुझाव–(Suggestions) कक्षा का वातावरण अच्छा था

Renuka
छात्राध्यापक

पर्यवेक्षक

पाठ योजना -5

पाठ का अवलोकन

दिनांक _____

छात्राध्यापक का नाम रेणुका आर्य अनुक्रमांक 315/00098

(जिसका पाठ अवलोकन किया गया)

विद्यालय पी.पी.एस बोरावां कक्षा 7 वी वर्ग बी

विषय सा.विज्ञान प्रकरण अकबर

1. प्रस्तावना –(Introduction) आकर्षक

2. उद्देश्य कथन –(Statement of Aim) छात्रों को मुगलकालीन इतिहास से परिचित कराना।

3. प्रस्तुतीकरण –(Presentation) उचित

i) पाठ्य वस्तु –(Matter of Lesson) स्पष्ट

ii) शिक्षण विधि–(Method of Teaching) अच्छी

iii) श्याम पट कार्य –(Black Board work) स्पष्ट

iv) सहायक सामग्री –(Teaching Aids) अखबार का चित्र

v) प्रश्नोत्तर–(Question and Answer) विकासात्मक प्रश्न

vi) अध्यापक का व्यक्तित्व –(Personality of the teacher) अच्छा

4. पुनरावृत्ति –(Recapitulation) सामान्य

5. प्रयोग–(Experiment) / आकलन(Assessment)-

6. टिप्पणी तथा सुझाव–(Suggestions) कक्षा समय पर शुरू हुई और समय पर समाप्त हुई

Renuka
छात्राध्यापक

पर्यवेक्षक

पाठ योजना – 4

पाठ का अवलोकन

दिनांक ____________

छात्राध्यापक का नाम रेणुका आर्य अनुक्रमांक 3151008

(जिसका पाठ अवलोकन किया गया)

विद्यालय पी.पी.एस बोरावाँ कक्षा 7वी वर्ग बी

विषय सा॰ विज्ञान प्रकरण हमारे मौलिक कर्तव्य व कर्तव्य

1. प्रस्तावना –(Introduction) – ठीक थी

2. उद्देश्य कथन –(Statement of Aim) मौलिक अधिकारो पर चर्चा

3. प्रस्तुतीकरण –(Presentation) विस्तृत

i) पाठ्य वस्तु –(Matter of Lesson) अच्छी

ii) शिक्षण विधि–(Method of Teaching) ठीक

iii) श्याम पट कार्य –(Black Board work) स्पष्ट

iv) सहायक सामग्री –(Teaching Aids) चॉक डस्टर

v) प्रश्नोत्तर–(Question and Answer) ठीक

vi) अध्यापक का व्यक्तित्व –(Personality of the teacher) अच्छा

4. पुनरावृत्ति –(Recapitulation) अच्छी

5. प्रयोग–(Experiment) /आकलन(Assessment)- ठीक

6. टिप्पणी तथा सुझाव–(Suggestions)

1) शिक्षक, छात्र के मध्य अच्छे सम्बन्ध हो

छात्राध्यापक

पर्यवेक्षक